10/1/4	वकलाय फराकन उपप पाधकाश अधिकारी दिगर प्रशासनिक कार्यो मे व्यस्त हैं मिसल- इलतवा होकर दिनांक 24/5/4 को पेश हो।
24.04.25	पत्रावली पेश हुई। न्यायालय समक्ष में अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण के नाम से अलग-अलग समय पर तीन चार आवाज दिलाई गई। इससे प्रतीत होता है कि अधिवक्ता प्रार्थी एवं प्रार्थीगण अपने प्रार्थना-पत्र को लेकर गंभीर नहीं है। लिहाजा प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र 'अदम पैरवी' व 'अदम हाजिरी' में इसी स्तर पर 'खारिज' किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो व नंबर से कम हो। 24.04.25 सहायक कलक्टर (SDO), बाड़मेर